STATEMENT REGARDING GOVERNMENT BUSINESS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): With your permission, Sir, I rise to anounce that Government Business during the week commencing Monday, the 28th February, 2000, will consist of:-

1. Consideration and passing of the Small Industries Development Bank of India (Amendment) Bill, 2000.

2. Discussion on Motion of Thanks on President's Address.

SPECIAL MENTIONS

Killings of Police Officials by Terrorists in Bastar District of madhya Pradesh

श्री राघवजी (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं इस सदन का ध्यान मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में नक्सलवादियों द्वारा की गई क्रूरत्तम हत्याओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। दिनाँक 20 फरवरी को सुबह साढ़े नौ बजे एक पुलिस वैन, जिसमें एक अतिरिक्त पुलिस सुपरिंटेंडेंट भी था, नक्सलवादियों को खोजने के लिए जंगल के क्षेत्र में जो नारायणपुर के पास में है, वहाँ जा रही थी, उस वैन को नक्सलवादियों ने विस्फोट से उड़ा दिया जिसमें 23 पुलिसकर्मी मारे गए। यह मध्य प्रदेश में पिछले दशक में 15वीं घटना है। लगातार इस प्रकार की घटनाएँ हो रही हैं। यह घटना जिसमें 23 पुलिसकर्मी मारे गए, एक नौजवान पुलिस अधिकारी मारा गया है जो खास तौर से नक्सलवादियों का शमन करने के लिए इंदौर से स्थानांतरित हुआ था। वह नौजवान अडिशनल एस.पी. भी मारा गया है। इसके पूर्व इसी मध्य प्रदेश में केबीनेट मंत्री श्री लिखीराम कावड़े की भी नक्सलवादियों ने हत्या कर दी । यह भी एक पहला ऐसा अवसर शायद पूरे देश में था जिसमें किसी केबीनेट मंत्री की हत्या नक्सलवादियों ने कर दी। यह पूरा क्षेत्र बस्तर से लेकर बालाघाट तक, आन्ध्र प्रदेश से लगी हुई सीमा का पूरा क्षेत्र है, यह नक्सलवादियों की भयंकर चपेट में है। ऐसी घटनाएं आए दिन होती रहती हैं जिनमें पुलिसकर्मी मारे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश शासन को भी जितना इस बारे में कार्य करना चाहिए, उतना कार्य नहीं किया है जिसके कारण इन घटनाओं की कहीं भी रोकथाम नहीं हो रही है। नक्सलवादी पकड़े नहीं जा रहे हैं, मारे नहीं जा रहे हैं। इसके विपरीत पुलिसकर्मियों का बेरहमी से